मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

डी.क्रमांक 125 /149/1(3)/77 भोपाल, दिनांक 23 मार्च, 1977.

प्रेषक,

के.एन.श्रीवास्तव,
अवर सचिव,
मध्य प्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग.

प्रति,

सचिव, भारत सरकार,
मंत्री मण्डल, सचिवालय,
कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग,
नई दिल्ली.

मुख्य सचिव,
समस्त राज्य शासन.

विषय :- हरिजन /आदिवासी कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु आवेदन-पत्र अग्रेषित किए जाने बाबत् ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर क्षेत्रीय निर्देशक, भारत सरकार पिछड़ा वर्ग कल्याण, द्वारा परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में हरिजन / आदिवासी कर्मचारियों को सुविधा देने संबंधी जो सुझाव दिए गए है, उसका उद्धरण संलग्न करते हुए मुझे आपसे यह निवेदन करने के निदेश हुए है कि भारत शासन तथा अन्य राज्य शासनों में इस संबंध में प्रचलित व्यवस्था क्या है, इसकी जानकारी प्राप्त की जाए । अतः आपसे निवेदन है कि भारत शासन / राज्य शासन द्वारा प्रशिक्षण संबंधी यदि कोई आदेश जारी हुए हों, तो कृपया राज्य शासन को निर्देशों की प्रति के साथ जानकारी देने का कष्ट करें, जिससे कि क्षेत्रीय निर्देशक के सुझाव पर आवश्यक निर्णय लिया जा सके ।

भवदीय,

(के0एन0श्रीवास्तव)
अवर सचिव
मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

कल्पना/-
21-3

उद्धरण

11- (ब) क्षेत्रीय निदेशक द्वारा एक सुझाव यह भी दिया गया था कि प्रशिक्षण हेतु शासकीय विभागों से कार्यरत हरिजन / आदिवासी कर्मचारी यदि आवेदन करें तो विभागों द्वारा उनके आवेदन-पत्र प्रायः अग्रेषित किये जाने चाहिए । इससे न केवल उन कर्मचारियों को अपना भविष्य सुधारने का अवसर मिलेगा बल्कि अनुसूची प्रशिक्षणार्थी होने के नाते प्रतियोगिता परीक्षा में भी सफलता का प्रतिशत बढ़ सकेगा । वे चाहते थे कि शासकीय विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किये जाय कि यदि उनके विभागों से हरिजन/आदिवासी कर्मचारी इस प्रशिक्षण हेतु आवेदन करें तो वे अकारण उनके आवेदन-पत्र न रोकें । प्रशिक्षण काल में उन्हें नियमानुसार छुट्टी दी जानी चाहिये ।

12- क्षेत्रीय निदेशक का एक सुझाव यह भी था कि प्रशिक्षण काल के दौरान यदि किसी प्रशिक्षणार्थी की नियुक्ति शासकीय विभागों में हो जाती है तो उस विभाग द्वारा प्रशिक्षण समाप्त होने तक की अवधि उसे अपना नवीन पद ग्रहण करने के लिये दी जानी चाहिये अर्थात जिस पद पर उसकी नियुक्ति हुई हो वह उक्त अवधि तक रिक्त रखा जाय ताकि वह प्रशिक्षण के उपरांत कार्यभार ग्रहण कर सके ।